

तेजस्विनी माता राजमोहनी देवी युवती सम्मेलन एवं शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बढ़ाया उत्साह

4500 से ज्यादा युवतियों ने भरी हुंकार, सूरजपुर में दिखा नारी शक्ति का विराट संगम

रोहित यादव / प्रतापपुर (जनता के गोठ) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जिला सूरजपुर के तत्वावधान में आयोजित तेजस्विनी माता राजमोहनी देवी युवती सम्मेलन एवं भव्य शोभायात्रा में युवतियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 4,500 से अधिक युवतियां सम्मेलन में शामिल हुईं। शोभायात्रा के दौरान युवतियों में खासा उत्साह नजर आया और अनुशासन व एकजुटता के साथ नगर में सामाजिक जागरूकता एवं महिला नेतृत्व का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन की कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सेवािा समिति कोरिया विभाग कार्यवाहिका बबोता सिंह तथा अभाविप की प्रांत



सह छात्रा प्रमुख एवं परिषद वका उर्वशी वर्मा, कोरिया विभाग छात्रा प्रमुख रेशमी सिंह और जिला छात्रा प्रमुख नीरज सिंह उपस्थित रहीं।

नेतृत्व से राष्ट्र निर्माण तक हुई चर्चा

सम्मेलन में युवतियों की शिक्षा, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता, सुरक्षा, समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में

भूमिका जैसे विषयों पर संवाद हुआ। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान दौर में युवतियां शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, खेल, सामाजिक सेवा और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन कर रही हैं।

वक्ताओं ने युवतियों को केवल अपने व्यक्तिगत भविष्य तक सीमित न रहकर समाज के विकास में

सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कहा गया कि शिक्षा, संस्कार और नेतृत्व के अवसर मिलने पर युवतियां समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत वाहक बन सकती हैं।

शोभायात्रा में दिखी एकजुटता

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण भव्य शोभायात्रा रही। बड़ी संख्या में शामिल युवतियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ सहभागिता की। शोभायात्रा के माध्यम से युवतियों की सामाजिक सहभागिता, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का संदेश नगर तक पहुंचाया गया।

अभाविप के इस आयोजन में कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं से लेकर संचालन तक कार्यकर्ता जुटे रहे। बड़ी संख्या में युवतियों की मौजूदगी ने आयोजन को विशेष

बना दिया।

'तेजस्विनी' के रूप में आगे बढ़ने का आह्वान सम्मेलन में युवतियों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने और अपनी प्रतिभा का उपयोग समाजहित में करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवतियों में नेतृत्व, संवेदनशीलता, रचनात्मकता और निर्णय लेने की क्षमता मौजूद है; जरूरत उन्हें उचित अवसर और मंच देने की है।

अभाविप जिला सूरजपुर द्वारा आयोजित सम्मेलन एवं शोभायात्रा उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। आयोजन के माध्यम से युवतियों की शक्ति, सहभागिता और नेतृत्व को समाज के सामने रखने के साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका का आह्वान किया गया।

महाविद्यालय की समस्याओं पर अभाविप का मोर्चा

चार सूत्रीय मांगों को लेकर प्राचार्य को साँपा ज्ञापन, पांच दिन में समाधान नहीं तो घेराव और आंदोलन की चेतावनी

रोहित यादव / प्रतापपुर (जनता के गोठ) : शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने मोर्चा खोल दिया है। परिषद ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर चार प्रमुख मांगों के तत्काल निराकरण की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि पांच दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो महाविद्यालय का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा।

अभाविप ने महाविद्यालय में लगातार बढ़ रही फीस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी जनजातीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। ऐसे में फीस में लगातार वृद्धि विद्यार्थियों के लिए आर्थिक परेशानी को कारण बन रही है। परिषद ने फीस वृद्धि पर



तत्काल रोक लगाने की मांग की।

महाविद्यालय के वाशरूम की बदहाल व्यवस्था को लेकर भी परिषद ने नाराजगी जताई। ज्ञापन में कहा गया कि वाशरूम के दरवाजे टूटे हुए हैं और नियमित साफ़सफाई के अभाव में गंदगी बनी रहती है। परिषद ने तत्काल मरम्मत के साथ नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

इसके अलावा फीस काउंटर पर

विद्यार्थियों के साथ कथित अभद्र व्यवहार का मामला भी ज्ञापन में उठाया गया। वहीं नामांकन की हार्ड कॉपी जमा करने के दौरान विद्यार्थियों से लिए जा रहे 200 रुपये जनभागीदारी शुल्क पर भी सवाल उठाया गया। अभाविप का कहना है कि प्रवेश के समय यह शुल्क पहले ही लिया जा चुका है, ऐसे में दोबारा ली गई राशि विद्यार्थियों को वापस की जानी चाहिए। अभाविप ने स्पष्ट

किया कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर मंत्री बरत लाल आयम, कैपस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, राज यादव, अनु पैकार, प्रमोद सिंह, राकेश कुमार, पवन पैकार, देवेश कुमार, उमेश कुमार, मुरारी लाल, श्याम यादव, सत्या, अनुराधा, कांति एवं मुनिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मवेशी तस्करी पर राजपुर पुलिस का शिकंजा, एक गिरफ्तार

बलरामपुर (जनता के गोठ) : पशुओं को वरूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए अवैध रूप से झारखंड ले जाने के मामले में राजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना से संबंधित 5 नन भैंस-भैसे भी बरामद कर अपने कब्जे में लिए हैं। पुलिस के अनुसार 6 अक्टूबर को ग्राम कर्रा से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति पांच भैंस-भैसों को कथित रूप से वरूरतापूर्वक मारते-पीटते और हंकारते हुए वध के लिए झारखंड की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की और पशुओं को सुरक्षित बरामद किया।

मामले में थाना राजपुर में अपराध क्रमांक 250/2026 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण



अधिनियम की धाराओं 4, 6, 10, पशुओं के प्रति वरूरता का निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(घ) तथा धारा 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं आरोपी के कथन के आधार पर नंदलाल यादव (21), पिता विजय

यादव, निवासी ग्राम बरबसपुर, पोस्ट करमी, थाना प्रतापपुर, जिला सूरजपुर की सलिस्तता पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। घटना से संबंधित पांचों भैंस-भैसों को वजह सबूत जप्त किया गया है। मामले में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई एवं विवेचना जारी है।

विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ

बलरामपुर में निकली सेवा ज्योति कलश यात्रा

हाई स्कूल ग्राउंड से वांदो चौक तक निकली यात्रा, जनप्रतिनिधियां समेत बड़ी संख्या में नागरिक हुए शामिल

बलरामपुर (जनता के गोठ) : विकसित भारत 2047 के निर्माण के संकल्प के साथ बुधवार को जिला मुख्यालय बलरामपुर में सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। सेवा संकल्प अभियान के तहत हाई स्कूल ग्राउंड से शुरू हुई यात्रा मिशन चौक होते हुए चांदो चौक पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, स्वच्छता दीदियां, सामाजिक संगठनों के सदस्य एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।



कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि सेवा ज्योति कलश यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के सांुहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल शासन का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से पूरा होगा। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का

उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद और अंतिम पॉिंक के व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि बलरामपुर जिले के दूरस्थ वनांचलों तक भी आवास, आयुष्मान कार्ड, राशन और बिजली जैसी सुविधाएं पहुंच रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन अभियान

के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के परिवारों तक स्वास्थ्य, आवास और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंडों में सेवा सेतु शिक्िर लगाए जा रहे हैं, जहां

जंतर-मंतर पर महिला पत्रकारों से बदसलूकी और पुलिसिया

बर्बरता पर भड़का IJU ; एसीपी पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। देश में पत्रकारों के सबसे बड़े संगठन 'इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन' (आईजेयू) ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हालिया प्रदर्शनों के दौरान मीडियाकर्मियों, विशेषकर महिला पत्रकारों के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और हिंसा पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी तीखी निंदा की है।

सोमवार (5 अक्टूबर 2026) को जारी एक संयुक्त बयान में आईजेयू के अध्यक्ष बलविंदर सिंह जम्मू और महासचिव डी. सोम सुंदर ने इस घटना को अत्यंत निंदनीय करार दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि पुरुष पुलिसकर्मियों-जिनमें सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर का एक अधिकारी भी शामिल है-द्वारा तीन महिला पत्रकारों को प्रताड़ित किया गया।

आईजेयू ने अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही एक महिला पत्रकार द्वारा दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायत पर कड़ा संज्ञान लिया है। शिकायत के



अनुसार, इयूटी के दौरान एक एसीपी रैंक के अधिकारी द्वारा कथित तौर पर महिला पत्रकार से छेड़छाड़ (molested and groped) की गई।

यूनियन ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि पीड़िता के निरंतर प्रयासों के बावजूद पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के पुलिसकर्मियों ने कई घंटों तक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने से इनकार कर दिया। आईजेयू का मानना ​​है कि इस प्रकार की जानबूझकर की गई देरी और

निष्क्रियता दोषी अधिकारियों को बचाने का खुला प्रयास दर्शाती है, जो कानून के शासन से चलने वाले लोकतांत्रिक समाज में कतई स्वीकार्य नहीं हो सकता।

बयान में आगे कहा गया कि मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों के साथ-साथ स्वतंत्र डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ी कई महिला पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को शारीरिक आक्रामकता, डराने-धमकाने और प्रदर्शनकारियों के साथ मनमाने ढंग से हिंसासे में लिए जाने का सामना करना पड़ा। यह सब तब हुआ जब पत्रकारों ने अपने वैध प्रेस पहचान पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शन कर रखे थे।

यूनियन ने जंतर-मंतर के आसपास सार्वजनिक पटल पर वैधानिक आदेश जारी किए बिना पीड़िता के निरंतर प्रयासों को मनमाने ढंग से बंद किए जाने पर भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। आईजेयू के अनुसार, इस प्रकार तदर्थ रूप से इंटरनेट बंद किए जाने से मौके से की जाने वाली स्पॉट रिपोर्टिंग बुरी तरह बाधित होती है,

जनता के सूचना के मौलिक अधिकार का हनन होता है और पत्रकारों को जमीनी हकीकत की रिपोर्टिंग करने से रोका जाता है।

आईजेयू की प्रमुख मांगें: इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन ने सरकार और प्रशासन के समक्ष निम्नलिखित मांगें रखी हैं: त्वरित कार्रवाई: आरोपी पुलिस अधिकारी तथा संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल आपराधिक और विभागीय कार्यवाही शुरू की जाए। समयबद्ध स्वतंत्र जांच: प्रदर्शन को कवर कर रहे पत्रकारों के साथ हुई शारीरिक आक्रामकता, उपीड़न और गैरकानूनी हिंसासेत की एक समयबद्ध व स्वतंत्र जांच कराई जाए।

स्पष्ट दिशा-निर्देश: केंद्रीय गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस के उच्च अधिकारी स्पष्ट निर्देश जारी करें, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पत्रकार किसी भी सार्वजनिक प्रदर्शन के दौरान बिना किसी हिंसा, उपीड़न या गैरकानूनी हिंसासेत के भय के अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

पाटन पुलिस ने अंतरराज्यीय ठगी गिरोह का किया पर्दाफाश

नकली सोने की पत्तियां गिरवी रखकर 19.32 लाख की ठगी, राजस्थान से 6 आरोपी गिरफ्तार; रानीतराई के सोने के बिस्किट ठगी मामले में आरोपी यूपी से धराया

पाटन से संदीप मिश्रा पाटन। (जनता के गोठ) लगातार सामने आ रहे ठगी के मामलों को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में पाटन अनुविभाग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पाटन थाना क्षेत्र में नकली सोने की पत्तियां गिरवी रखकर 19 लाख 32 हजार रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के छह आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं।

पहले असली सोना रखकर जीता भरोसा, फिर नकली पत्तियां रखकर ऐंठें 19.32 लाख

पाटन नगर के पुराना बाजार चौक स्थित लक्ष्मी ज्वेलरी शॉप के संचालक आनंद सोनी के अनुसार,



आरोपियों ने पहले दुकान में असली सोना गिरवी रखकर विश्वास कायम किया। इसके बाद इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने नकली सोने की पत्तियां गिरवी रखकर अलग-अलग समय में कुल 19 लाख 32 हजार रुपये ले लिए।

तय समय सीमा में जब आरोपियों ने रकम वापस नहीं की तो ज्वेलरी रखकर विश्वास कायम हुआ। इसके बाद गिरवी रखे गए सोने की जांच कराई गई, जिसमें वह नकली पाया गया। मामले की जांचकारी पाटन थाना पुलिस को दी गई और शिकायत के आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने



किया। ग्राम भवानीपुर के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।

लवकशपुर एवं भवानीपुर के बीच लावा नदी के पास ग्रामीणों और पुलिस की सक्रियता से दो आरोपियों को पकड़ा गया, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर नदी की ओर फरार हो गया था। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में फरार आरोपी के रूप में जियाउल अंसारी का नाम सामने आया। पुलिस ने फरार आरोपी की

तलाश जारी रखी। लंबे समय से फरार चल रहे जियाउल अंसारी को हिरासेत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में अपराध स्वीकार करने के बाद उसे 7 अक्टूबर 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामला थाना कुसमी अपराध क्रमांक 83/2026 में छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 एवं 10 के तहत दर्ज है।

पाटन पुलिस ने अंतरराज्यीय ठगी गिरोह का किया पर्दाफाश



आरोपियों ने पहले दुकान में असली सोना गिरवी रखकर विश्वास कायम किया। इसके बाद इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने नकली सोने की पत्तियां गिरवी रखकर अलग-अलग समय में कुल 19 लाख 32 हजार रुपये ले लिए।

तय समय सीमा में जब आरोपियों ने रकम वापस नहीं की तो ज्वेलरी रखकर विश्वास कायम हुआ। इसके बाद गिरवी रखे गए सोने की जांच कराई गई, जिसमें वह नकली पाया गया। मामले की जांचकारी पाटन थाना पुलिस को दी गई और शिकायत के आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने

प्राथी ने रानीतराई थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पाटन अनुविभागीय पुलिस अधिकारी प्रांशु तिवारी के नेतृत्व में पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की।

जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस टीमे ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया और उसे पाटन लाया गया।

दो अलग-अलग मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पाटन अनुविभाग अंतर्गत ठगी के दोनों अलग-अलग मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों तथा इनके द्वारा अन्य स्थानों पर की गई ठगी की घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रही है। अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय इस गिरोह के नेटवर्क और पूर्व में की गई अन्य वारदातों की भी जांच की जा रही है।

संपादकीय

सुधार पर हो जोर

महतादा सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के विशेष रूप में विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस की आक्रमकता जिस तरफ बढ़ती जा रही है और उसने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सबूतों पर उतरने का जो फैसला किया, उससे इस प्रक्रिया को लेकर विवाद हो ब रहा है। इसके कारण कुछ लोगों के मन में संशय भी पैदा हो रहा है। यह किसी के भी हित में नहीं, क्योंकि निष्पक्ष चुनावों के लिए महतादा सूचियों का सही होना जरूरी है। यह एक तथ्य है कि महतादा सूचियों को पंजीयन करने और खासकर उनसे फर्जी-अपात्र वोटरों को बाहर करने की मांग कांग्रेस समेत सभी दल करते रहे हैं। यह प्रक्रिया यई भी नहीं है। इनका असर यह है कि चुनाव आयोग की सुस्ती के चलते यह करीब दो दशकों बाद हो रही है। बिहार से शुरू हुई यह प्रक्रिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे उसे गलत बताने का विपक्ष का अभियान तेज हो रहा है। वास्तव में इसी इरादे से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे वोट चोरों का नाम दे दिया है। यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया को आवश्यक मान रहा और उसे आगे बढ़ाने की अनुमति दे रहा है। सुप्रीम कोर्ट लंबे समय से एसआईआर प्रक्रिया की सुनवाई कर रहा है। अब उसे इस तरह के अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचना चाहिए और चुनाव आयोग को तैयार-तरीकों को अपनाने के लिए कहना चाहिए, जिससे यह प्रक्रिया सुगम तरीके से संपन्न हो सके और किसी पात्र महतादा को शिकायत का अवसर न मिले। यह सही है कि एसआईआर जैसी व्यापक प्रक्रिया में कुछ न कुछ बुझियां होंगी, लेकिन चुनाव आयोग को यह चाहिए कि वह इसमें यथासंभव बुद्धि रहित बनाए। इसी के साथ उसे ऐसे भी उपाय करने चाहिए जिससे यह प्रक्रिया सतत चलती रहे और लोगों के लिए सुविधाजनक रहे। उचित यह होगा कि चुनाव आयोग एसआईआर के मामले में लोगों को सूचित यह होगा कि चुनाव आयोग एसआईआर के मामले में लोगों को आवेदन करने या अपना नाम वोट लिस्ट में जुड़वाने के लिए समयसीमा में न बांधे। उसकी ओर से समयसीमा तय कर देने से यह संदेश निकलता है कि यदि किसी कारण किसी का नाम वोट लिस्ट में शामिल होने से रह गया तो वह मातृधिकार से वंचित हो जाएगा। इस आशंका को दूर करना सुप्रीम कोर्ट का भी काम है और चुनाव आयोग का भी। एसआईआर के मामले में यह भी समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग का सहयोग करें। विपक्षी दलों का यह रवैया ठीक नहीं कि वे एसआईआर की छोटो-मोटी कमियों को लोकतंत्र को खत करने की शिकंशा बतार कर लोगों को गमराह करने का काम करें।

आज का राशिफल

मेर राशि :- धन का व्यय संभव है, तनाव पूर्ण वार्ता से बचिएगा, कार्य का ध्यान अवश्य रखें।

वृष राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सफलता, कार्य कुशलता से संतोष होवे, बिगड़े कार्य नबनेगे।

मिथुन राशि :- चिन्ताएं कम हो, सफलता के साधन जुटाए तथा शुभ समाचार अवश्य मिलेंगे।

कर्क राशि :- बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप होवे तथा सुख समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि :- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, भोग कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य गति उत्तम बनें।

कन्या राशि :- प्रतिष्ठा बाल बाल बचें, संघर्ष से अधिकार प्राप्त करें, भाग्य का साथ दें।

तुला राशि :- कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहे, परिश्रम से सोचे कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- प्रत्येक कार्य में बाधाएं, वलेश युक्त रखे, स्थिति सामर्थ्य के योग अवश्य बनें।

धनु राशि :- भावनाएं विक्षुब्ध रखे, दैनिक कार्यगति मंद रहे, परिश्रम से कार्य अवश्य बनेंगे।

मकर राशि :- तनाव वलेश व अशांति, धन का व्यय, मानसिक खिन्नता, अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन।

मीन राशि :- कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतें तथा हर्षप्रद समाचार प्राप्त हो।

असाधारण जनसेवक हैं मोदी

शेरिंग तोबगे

मैं 27 जुलाई 2019 को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला था। उस महीने पहले भूटान के चुनावों में मेरी पार्टी पराजित हो गई थी और संसद में पार्टी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। मैं न तो प्रधानमंत्री था और न ही संसद में। मैं पीएम मोदी से एक आम नागरिक के तौर पर मिला। मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनके सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मैंने उनसे कहा कि वे हमेशा मेरे बड़े भाई रहेंगे, सिर्फ इसलिए नहीं कि वे उम्र में बड़े हैं, बल्कि इसलिए भी कि उन्होंने मेरे साथ वैसा ही स्नेह दिखाया, जैसा एक बड़ा भाई अपने छोटे भाई के प्रति दिखाता है। फिर मैंने उनसे एक और बात कही। मैंने उन्हें एक दैवीय अवतार के रूप में देखा। मैंने बताया कि हमारे इलाके में, ज़ानी और नेक शासकों को लंबे समय से ऐसा ही माना जाता रहा है। मेरी ही बातों ने मुझे हैरान कर दिया। बाद में, मैंने सोचा कि आखिर मैंने ऐसा क्यों कहा? क्या मैं भावनाओं में बह गया था? क्या मैं गलत था? जब मैंने अपनी कही बातों पर विचार किया, तो जवाब स्पष्ट हो गया। पीएम मोदी को अवतार मानना था। मैंने उन्हें लगभग 13 वर्षों तक गुजरात का शासन चलाते देखा था, जब वह राज्य विकास, अवरोधन, निवेश और योजनाओं के कार्यान्वयन के मामले में देश के लिए एक मिसाल बन गया था। फिर मैंने उन्हें उस महत्वाकांक्षी को पूरे भारत के स्तर पर ले जाते देखा, जिसमें विनिर्माण, विदेशी निवेश, वित्तीय समावेशन, स्वच्छता, तकनीक और अवरोधन पर जोर दिया गया। इन सबके मूल में था सेवा और काम को पूरा करने पर लगातार जोर। मैंने उनमें एक अनुशासित, ऊर्जावान और असाधारण रूप से मेहनती जनसेवक को भी देखा। जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह थी देशवासियों की सेवा के प्रति उनका अटूट समर्पण। इससे भी ज़रूरी बात यह है कि उन्होंने भारतीयों में खुद पर और अपने देश पर एक सशक्त विश्वास जगाया। मेरे लिए ये एक ज्ञानी एवं नेक शासक के गुण हैं। भूटान की बौद्ध परंपरा में, हम 'रिग्सुम गोनपो' का सम्मान करते हैं, जो सभी जीवों की मुक्ति के लिए, समर्पित बोधिसत्वों की एक त्रिमूर्ति हैं। मंजुश्री ज्ञान की प्रतीक हैं, अवलोकितेश्वर करुणा का और वज्रपाणि साहस का। मेरे लिए ज्ञानी नेतृत्व का मतलब है, निःस्वार्थ सेवा के जरिये इन तीन गुणों—बुद्धिमत्ता, करुणा और साहस का उपयोग करना। आज मैं इन गुणों का पीएम मोदी के 'विकसित भारत' के विजन में स्पष्ट तौर पर समावेश देखा हूँ। बुद्धिमत्ता की शुरुआत बेहतर भविष्य के स्पष्ट विजन से होती है। उन्होंने भारत को एक विकसन देश के विजन में स्पष्ट तौर पर समावेश देखा है। आज की शुरुआत विजन को वास्तविकता में बदलने के संकल्प से होती है। साहस की शुरुआत विजन को वास्तविकता में बदलने के संकल्प से होती है।

राजीव सचान

आतंकवाद से लड़ना केवल इसलिए कठिन नहीं है कि इसका ठिकाना नहीं कि कौन कब अतिवादी—जिहादी विचारों से भर जाए। ऐसे लोगों का किसी आतंकी संगठन से जुड़ना जरूरी नहीं है। वे कट्टरपंथी विचारों से कुप्रेरित होकर अकेले ही आतंकी घटना को अंजाम दे सकते हैं। कई देशों में ऐसी घटनाएँ होती भी रहती हैं, जिन्हें 'लोन वुल्फ' कहे जाने वाले आतंकी अंजाम देते हैं। वे कभी किसी सार्वजनिक स्थल पर बम विस्फोट कर देते हैं या भीड़ पर ट्रक चढ़ा देते हैं अथवा लोगों पर आतंक्षांधु गोशिल्या बरसा देते हैं। हाल में ऐसी एक घटना अस्ट्रेलिया में हुई थी। लाल वुल्फ या किसी संगठन से जुड़े आतंकियों में डाक्टरों, इंजीनियरों और पायलटों तक की भी गिनती होने लगी है। दिल्ली में लाल किला बम विस्फोट डाक्टरों के एक आतंकी समूह का कारनामा था। इस कार विस्फोटों के एक आत्मघाती आतंकी ने अंजाम दिया था। प्लाईडुबई का ओमानी मूल का को-पायलट हमाम अल-हम्मामी भी आतंकी निकला। वह उन अलकायदा आतंकियों से कुप्रेरित मान पड़ता है, जिन्होंने अमेरिका में 9/11 की घटना को अंजाम दिया था।

अभी तक की जांच के आधार पर यही माना जा रहा है कि लाल-हम्मामी एक लोन वुल्फ आतंकी है। उसका इरादा भारतीय पायलट स्मित मख्बू को काकपटि में मारकर 174 यात्रियों से भरे विमान को तेल अवीव के हेवाईअड्डे पर ध्वस्त करने का था। इस 9/11 सरीखी भीषण आतंकी घटना होती और यह हमें हजारों लोग मार जा सकते थे। कल्पना करें, इसके

बुआ मायावती ने भ



बाद पश्चिम एशिया के क्या हालात होते? स्मित मच्छर ने अपने अप्रतिम साहस से अल-हम्मामी के शैतानी इरादों को नाकाम कर दिया। वे दुनिया भर के लिए हीरो बन गए हैं।

आमतौर पर हर कोई उनकी प्रशंसा कर रहा है, लेकिन हर मामले में साजिश की कहानी गढ़ने वाले कुछ तत्व इस घटना को फास्स फ्लैंग अपरेजेंट बना रहे हैं। इजरायली प्रभुत्व की इस शक्ति पर कोई कार्रवाई नहीं बता रहे हैं, ताकि वे चुनवी लाभ उठा सकें। अखिर, आतंकवादी घटना को एक भारतीय पायलट ने नाकाम किया, उससे इजरायली प्रभुत्व की चुनवी लाभ कैसे मिल जाएगा? समस्या यह है कि कुतर्क गढ़ने वाले तर्क और तुक की बात सुनना पसंद ही नहीं करते। यह नहीं आतन नहीं। 9/11 के बारे में भी यही कहा गया था और 26/11 को लेकर भी। याद रखें, इस आतंकी हमले पर 'आरएसएस की साजिश'।



नामक एक किताब लिखी गई थी, जिसका लोकार्पण करने वालों में कांग्रेस नेताओं के साथ फिल्मकार महेश भट्ट भी थे। पहलवान हमले को लेकर भी पाकिस्तानियों ने यह दुष्प्रचार किया था कि वह उर्दू बदनमा करने के लिए भारत का फाल्स प्रतियोगिता अपरेशन था। ऐसे तत्व केवल आसक्तिवाद का बचाव ही नहीं कर रहे होते, बल्कि उसके लड़ाई में बाधक भी बन रहे होते हैं। वे कई बार आतंकियों को पीड़ितों का रहस्यमा बताकर उनका गुणगान करने में भी संकोच नहीं करते। आतंकवाद से लड़ना इसलिए भी कठिन और है, क्योंकि कुछ लोग पर मौन रहना पसंद कर रहे हैं। और उससे लड़ने वालों पर मौन रहना पसंद कर रहे हैं। इस तरह वे आतंकियों से हमददी रखने वालों को बल प्रदान करते हैं। ऐसे लोग दुनिया में हर कहीं हैं और दुर्भाग्य से भारत में भी। अब यह कोई दली-छिपी बात नहीं कि विश्वभर के अनेक कथित सैन्यवर नेताओं ने

बुआ मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को वापस बुलाया या राजनीतिक जाल में फंसा दिया?

नीरज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पदों के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, अगर वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी सी है कि भतीजे ने माफ़ी मांगी, बुआ ने माफ़ कर दिया और परिवार फिर पकड़जुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की? असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी?

याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आज़ाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस पार्टी में मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहाँ से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था। क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि



आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खराब यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जड़मनी बसाकर कर लेते, युवा दलितों के बीच आपावणी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजुद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ 'मायावती के भतीजे' नहीं रहते। वह अपने अपनों में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यह वह चीज है जो आकाशराय मायावती को सबसे ज्यादा खटकती।

देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। एकभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विविधधनमत और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मेदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या कांग्रेस-कांग्रेस गुठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी

बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी। ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बना ले, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कौरो वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कौरो वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुश्किल है कि मायावती ने इसी खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के जाने का संकट नहीं होगा, बल्कि नेतृत्व की अगली पीढ़ी का विकल्प भी पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश का किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया। लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश की सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया।

बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष की अक्षमता

- ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यहां कोई भी सरकार स्थायी नहीं होती और कोई भी विपक्ष हमेशा के लिए विपक्ष नहीं रहता। सत्ता के लंबे कार्यकाल के बाद स्वाभाविक रूप से सरकार के प्रति उकताहट पैदा होती है। लेकिन उकताहट और सत्ता परिवर्तन के बीच एक बड़ा अंतर है। मदादाता किसी सरकार से नाराज हो सकता है, उसके कामकाज पर सवाल उठा सकता है, फिर भी केवल नाराजगी के आधार पर किसी ऐसे विपक्ष को स्वीकार नहीं करता, जिसके पास देश के भविष्य रूपरेखा न हो, जो सत्ता का लालची एवं ब्रेत से वंचित हो। आज भारतीय राजनीति में सामने मूल प्रश्न यही है—क्या वह केवल असंतुष्टता या जनता के सामने कोई कि विचलन भी रख रहा है? राहुल गांधी लंबे यह सवाल उठा रहे हैं कि मोदी सरकार आरोपित एंटी-इनकेंवेंसि दिवाई क्यों नहीं देते अथवा है कि चुनौती प्रक्रिया में गड़बड़ी उचोरी' के कारण जनता की वास्तविक इच्छा प्रस्तुत आ पा रही। इन आरोपों के समर्थन में न प्रस्तुत दावों को लेकर राजनीतिक और काजरी हैं, उन्हें अंतिम रूप से सिद्ध तथ्य मा उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि प्रक्रिया, मदादाता सूची और निर्वाचन आ प्रदर्शिता पर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का नि तथ्यात्मक उत्तर मिलना लोकतंत्र के हित मे



इसी संदंभ में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुरीकरण का विवाद महत्वपूर्ण हो गया है। निर्वचन आयोग स्वयं एसआईआर-2026 से संबंधित मतदाता सेवाओं और मतदाता सूची उपलब्ध करा रहा है तथा वह अपने को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण बताता है। दूसरी ओर विपक्ष ने इस प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विवाद को अब सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती मिली है। इस पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक नारों से नहीं, संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया से निकलेगा। यहाँ संवैधानिक की राजनीती की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनाव आयोग के विरुद्ध आंदोलन करना विपक्षियों का लोकतांत्रिक अधिकार है। मतदाता सूची में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत ढंग से हटाया गया है तो उसका विशेष हतना चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने उनियों का उल्लंघन किया है तो उसकी

से उत्क्रांता है। एक सामान्य परिवार को बच्चों की मरगी शिक्षा की जिंता है। रोजगार की बलती प्रकृति, एआई और नई तकनीक के कारण पारंपरिक कोशल तेजी से अप्रासंगिक हो रहे हैं। डिग्री लेने के बाद भी रोजगार की गारंटी नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाएं युवाओं के विश्वास को चोट पहुंचाती हैं। ऐसे में युवा यह जानना चाहता है कि अगली सरकारी परीक्षा व्यवस्था को कैसे विश्वसनीय बनाएगी, स्कूलों की गुणवत्ता कैसे सुधारेगी और बदती तकनीकी अर्थव्यवस्था के लिए अर्द्ध युवाओं को तैयार कैसे करेगी। किसान की समस्या भी केवल एमएसपी का आंदोलन तक सीमित नहीं है। फसल आने पर कीमत गिर जाती है और कुछ महीने बाद वही प्याज, टमाटर या दूसरी सब्जियां मंहगी हो जाती हैं। इसका समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि गां-कस्ते तक भंडारण, कोलड-चेन, प्रसंस्कण, कृषि बाजार और मूल्यवर्धन की मजबूत

सिमत मच्छर की बहादुरी की तारीफ में एक शब्द भी कहने की जरूरत नहीं समझी। यद्यपि उनके मौन पर सवाल उठे, फिर भी वे चुप ही रहे। इसके कारणों की समझना कठिन नहीं। इसका कारण है मुस्लिम वोट बैंक की संकीर्ण राजनीति। मुस्लिम समाज का एक हिस्सा इजरायल को शत्रु ही नहीं मानता, वह उसकी तबाही की कामना भी करता है। इसके लिए वह हमला जैसे संगठनों की तारीफ करे में भी संकोच नहीं करता। चूँकि भारत में अलकायदा और आईएस के आतंक में हाथ बंटाने वाले लोग भी सामने आ चुके हैं, इसलिए हमस से हमदर्दी रखने वालों की मौजूदगी पर हैरानी नहीं। यह सिद्ध भी हो चुकी है। तीन साल पहले हमला आतंकियों ने इजरायल में भीषण आतंक की हमला कर करीब 12 सौ लोगों को मार दिया था और कुछ लोगों को बंधक बनाकर अपने साथ गया ले आया थे। इस आतंकी हमले के जवाब में इजरायल ने गाजा में कठोर सैन्य कार्रवाई की। इसमें हजारों लोगों की जान गई। इससे मुस्लिम जगत में इजरायल के खिलाफ गुस्सा और बढ़ा। इसी दौरान केरलम में एक रैली में हमस ने आखिर महशाल का वचुआल भाषण कराया गया। इस रैली का आयोजन जमात-ए-इस्लामी हिंद की युवा शाखा ने किया था। रैली फलस्तीनी लेखकों का समर्थन करने के नाम पर बुलाई गई थी, लेकिन उसमें हमस ने भी का भाषण कराया जरूरी समझा गया। इस रैली में 'बुलदोड्डा हिंदुत्व और रंगभेदी यहूदीवाद को उखाड़ फेंकने' के नारे भी लगाए गए थे। कहीं ऐसा तो नहीं कि ऐसे ही लोगों की भावनाओं को दुख पहुंचने की आशंका के चलते ही तमाम विपक्षी भी सिमत मच्छर की बहादुरी को लेकर चुपची साधे हों हों ?

संविधान पर चर्चा कोई गुनाह तो नहीं मीलार्ड!

- રાકેશ અચલ

क्या भारत में संविधान की बात करना भी गुनाह है? ये सवाल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस उज्ज्वल भूइया द्वारा एस आई आर पर की गयी टिप्पणी पर न्याय जगत में उठे विरोध से पैदा हुआ है. क्या ये रार और बढेगी? ये सवाल न्यायिक नैतिकता का मुद्दा है या राजनीति का. सच कडावा होता ही है.

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और कुछ रिटायर्ड जजों ने सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जल भुइयाँ के उस बयान की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित करने वाली प्रक्रिया बताया था. जस्टिस भुइयाँ ने पाटन दिनों हैदराबाद की एन ए एल एस ए और यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि कोई भी ऐसी प्रक्रिया, जो लाखों भारतीय नागरिकों को वोट के अधिकार से दूर करे, मनमानी है और संविधान के खिलाफ है. उन्होंने यह भी कहा कि संविधान नागरिकों को दो वर्गों में नहीं बांटा, एक जिसके पास वोट है और दूसरा जिसके पास न हो. इस बयान पर पूर्व सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि न्यायिक मर्यादा उन्हें ऐसे मामले पर टिप्पणी करने की इजाजत नहीं देती. और अदालत के सामने लंबित हो. उन्होंने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज को उस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान नहीं देना चाहिए, जो उसी अदालत में विवादाधीन है. गवई की इस बात से दिल्ली हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज एसएन बंडोरा और आरएस सोढ़ी ने भी सहमति जताई.

जस्टिस ढींगरा ने कहा कि जस्टिस भु
भुइयां का बयान एक मौजूदा शीर्ष च

अदालत के जज की सीमा से काफी आगे था. उनके मुताबिक, जब मामला उसी अदालत में पेंडिंग हो, तो सार्वजनिक कार्यक्रम में ऐसी टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए. डींगरा ने कहा कि जस्टिस भुइयां को ऐसा बयान देने से पहले हजार बार सोचना चाहिए था, क्योंकि उन्हें इस मामले के पूरे तथ्य पता नहीं थे. वहीं, एस आई को से जुड़े फैसलों को लेकर यह सवाल भी उठाया गया कि क्या ये फैसले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बना चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए.

दिल्ली हाई कोर्ट के ही सेवानिवृत्त जज आरएस सोदी ने कहा कि वोटर का अधिकार कानून के दायरे में आता है। जो व्यक्ति कानून की बातें पूरी करता है, उसके पास वोट का अधिकार है। अगर किसी का मत गलत तरीके से सूची में है या वह योग्य नहीं है, तो कानून के तहत नाम हटाना या सकता है और योग्य व्यक्ति दोबारा नाम जुड़वा सकता है। जस्टिस सोदी ने इसे नगरिकों को दोषमर्ज दर्जे का बताते वाले सख्त बयान पर सवाल उठाया, उन्होंने कहा कि ऐसे कठोर बयान मुद्दे को देखने का संतुलित तरीका नहीं है। थ्यान इस बात पर होना चाहिए कि व्यक्ति कानूनी रूप से मतदाता सूची में रहने का हकदार है या नहीं और प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं। आपको याद दिला दूं कि जस्टिस भुइयां सार्वजनिक चर्चा में आने वाले मुद्दों पर अपने विचार खुलकर रखने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने छात्रों से कहा कि आपने देश और दुनिया को दिखाया है कि एक विश्वविद्यालय का छात्र, खासकर कानून का छात्र, कैसा होना चाहिए। आप प्रतिभाशाली हैं, साहसी हैं और बहादुर हैं। गौरसलब है कि जस्टिस भुइयां पहले इसी विश्वविद्यालय के चंसलर रह चुके हैं।

जांच होनी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा केवल आयोग के विरोध से नहीं होगी। लोकतंत्र की रक्षा तब होगी जब विपक्ष जनता को यह भी बताए कि सत्ता मिलने पर वह शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शहरी जीवन, कानून-व्यवस्था और प्रशासन में क्या बदलेगा।

यही वह बिंदु है जहाँ 'वोट चोरी' का राजनीतिक विमर्श जनचरित्र के रोझरों के सवालों-जवाबों परामना परिवार को बच्चों की शिक्षा से लेकर रोजगार की बदलती प्रकृति, कर्म के कारण पारंपरिक कोशल व्यवस्था में बदलाव आ रहे हैं। छिड़ी लेने के बाद भी यह कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लिखने या उत्तर देने के अभाव में युवाओं के विश्वास को नष्ट करने में युवा यह जानना चाहता है कि परीक्षा व्यवस्था को कैसे सुधारा जा सकता है? स्कूलों की गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जा सकती है? अयोग्यता के लिए तनकीनी के अर्थों में क्या करना चाहिए? किसान की समस्या को कैसे हल किया जा सकता है? इसमें गिर जाओ लाइन तक सीमित मत और मत गिर जाती है और कुछ समय के बाद दूसरी संस्थायें महंगी माधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि एक ठंडा रास्ता, कोल्ड-चेन, रोजगार और मूल्यवर्धन की मजबूत

व्यवस्था में है। विपक्ष यदि कृषि सुधारों का विरोध करता है तो उसे यह भी बताना होगा कि वह वैकल्पिक कृषि ढांचा किस तरह खड़ा करेगा।

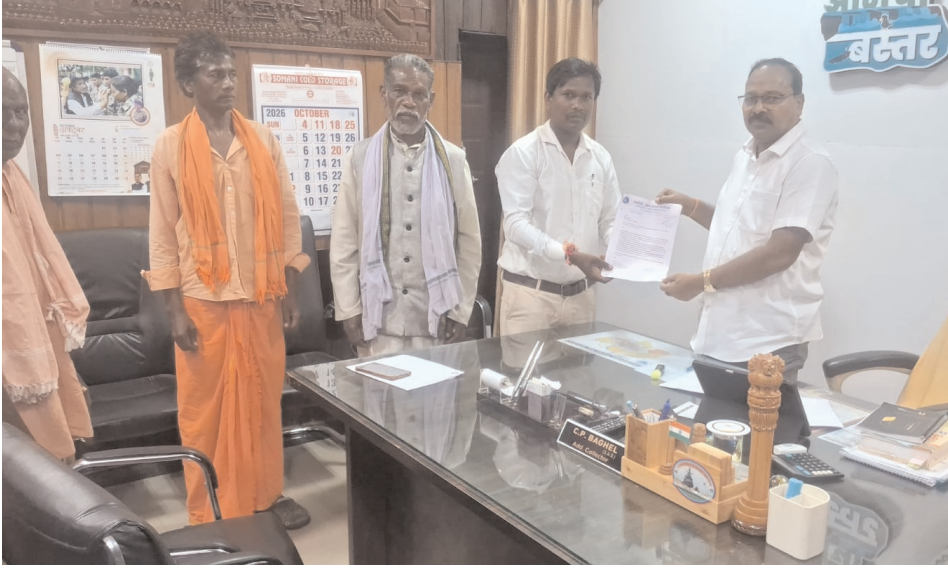
रोगरार का प्रश्न इससे भी बड़ा है। भारत के अरुआ आबादी के उद्योग, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, अनुसंधान और नई तकनीक से जोड़ना होगा। निवेश के लिए स्थिर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और भरोसेमंद कारोबारी वातावरण जरूरी है। केवल बड़े उद्योगपतियों पर राजनीतिक प्रहार या संपत्ति की गणना जैसे नतीजे से रोगरार पैदा नहीं होगा। विपक्ष यदि सत्ता के पुनर्वितरण या सामाजिक न्याय की बात करता है तो उसे साथ ही यह भी बताना होगा कि संपत्ति और अवसर कैसे पैदा किए जाएंगे।' जितनी आबादी, उतना हक' जैसी राजनीति सामाजिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न को सामने लाती है, लेकिन आज की चुनौती प्रतिनिधित्व के साथ-साथ क्षमता निर्माण की भी है। पिछड़े, दलित, आदिवासी और कमजोर वर्गों के बच्चों को अच्छी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और अवसर मिलें-यह सामाजिक न्याय का अधिक स्थायी आधार है। केवल आंकड़े गिनना पर्याप्त नहीं, उन आंकड़ों के पीछे छुड़े मुनुय का जीवन बदलना जरूरी है। इस पर परिश्रम में ममता बनर्जी की भूमिका विशेष चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर नया विमर्श अवश्य उभरा है। हाल की इंडिया गठबंधन की बैठक में उन्होंने विपक्ष का दायरा बढ़ाने और व्यापक एकाता की आवश्यकता पर जोर दिया। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा संकेत केवल भाजपा से मुकाबला नहीं, बल्कि उसके भीतर का परस्पर अविश्वास है।

सरपंच की शिकायत पर कार्रवाई नहीं, ग्रामीणों ने दी धरना-प्रदर्शन की चेतावनी

रात में गाली-गलौज, विकास कार्यों में बाधा और दबाव बनाने का आरोप; एसपी कार्यालय में 7 अक्टूबर को सौंपा आवेदन

जगदलपुर जनता के गोट। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के सरपंच संतोष कुमार कश्यप से जुड़े मामले में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। सरपंच ने मानसिंह कश्यप, नीलांबर गोयल और सुंदर पर रात के समय गाली-गलौज करने, पंचायत के विकास कार्यों में बाधा डालने तथा दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 7 अक्टूबर 2026 को लिखित शिकायत प्रस्तुत की है। आवेदन

पर कार्यालय की आवक-जावक सील और हस्ताक्षर भी दर्ज हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मानसिंह कश्यप द्वारा नगर सैनिक पद तथा उनकी पत्नी के जनपद सदस्य होने का प्रभाव दिखाकर दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है। इसके अलावा लोगों को धमकाने और जुआ खिलाने के भी आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बाद भी अब तक संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से उनमें रोष है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोप सही पाए जाने पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने



तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि एक निर्वाचित सरपंच द्वारा लिखित शिकायत दिए जाने के बाद भी उसकी सुनवाई नहीं होती है, तो आम नागरिकों की शिकायतों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में पुलिस जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

तेलीबांधा चौक के नाम परिवर्तन का साहू समाज ने किया विरोध

जनता के गोट/ओंकार साहू बलौदाबाजार। रायपुर के ऐतिहासिक तेलीबांधा चौक को 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' के रूप में विकसित करने की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के बाद साहू समाज की ओर से विरोध के स्वर उठने लगे हैं। बलौदाबाजार जिला साहू संघ के अध्यक्ष सुनील साहू ने इस घोषणा का खुलकर विरोध जताते हुए कहा कि तेलीबांधा केवल एक चौक का नाम नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान से जुड़ा हुआ है। सुनील साहू ने कहा कि तेलीबांधा नाम साहू समाज की भावनाओं और विरासत से जुड़ा है। ऐसे में इसके नाम को बदलने की पहल समाज की भावनाओं को आहत करने वाली है। उन्होंने कहा कि तेलीबांधा की पहचान किसी भी स्थिति में खत्म नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने मांग रखी कि चौक का मूल नाम 'तेलीबांधा चौक' ही कायम रखा जाए। साहू समाज इस मामले में अपनी ऐतिहासिक एवं सामाजिक पहचान को लेकर एकजुट है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 7 अक्टूबर को प्रदेश के 38 स्थानों पर 'सेवा ज्योति संकल्प चौक' विकसित करने की घोषणा की थी, जिसमें रायपुर का तेलीबांधा चौक भी शामिल है।

प्रसव के बाद शिक्षिका की मौत, परिजनों ने सौभाग्यम अस्पताल पर लगाए गंभीर आरोप

परिजनों ने पोस्टमार्टम, सीसीटीवी फुटेज की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

जाहिद अंसारी सूरजपुर/जनता के गोट। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयनगर में लेकर के पद पर पदस्थ आशा भारती की प्रसव के बाद मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने सूरजपुर स्थित सौभाग्यम निजी अस्पताल में उपचार के दौरान लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी को शिकायत दी है। उन्होंने शव का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही अस्पताल की सीसीटीवी फुटेज की जांच और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों की शिकायत के अनुसार आशा भारती को प्रसव के लिए सौभाग्यम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक अक्टूबर को उन्होंने बच्ची को जन्म दिया। परिजनों का कहना है कि प्रसव के बाद आशा स्वस्थ थीं और तीन



अक्टूबर को दिनभर उनकी तबीयत सामान्य थी। शिकायत में बताया गया है कि तीन अक्टूबर को आशा के पुत्र मनोज भारती और पुत्रवधू जूली भारती अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने आशा को अस्पताल के बेड से नीचे उतारकर सीढ़ियों के नीचे जमीन पर लेटे हुए देखा। उस समय दो नर्स उनकी देखभाल कर रही थीं। परिजनों का आरोप है कि काफ़ी देर बाद डॉक्टर पहुंचे और उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें अंबिकापुर के गायत्री अस्पताल रेफर किया गया। वहां पहुंचने

पर चिकित्सकों ने आशा को मृत बताया। परिजनों ने शिकायत में आशा के गहने और रुपये गायब होने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने अस्पताल में हुई पूरी घटना के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने, पोस्टमार्टम कराने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पूर्व शिक्षा मंत्री ने जताई चिंता मामले को लेकर पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि शिक्षिका की मौत की घटना गंभीर है और इससे स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी अस्पतालों में मनमानी पर नियंत्रण जरूरी है। टेकाम ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कराने और जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए, ताकि घटना की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और परिजनों को न्याय मिल सके।

पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

बकरी की खाल को लेकर हुआ विवाद, डंडे से वार करने का आरोप

जाहिद अंसारी सूरजपुर/जनता के गोट। चौकी चेन्द्रा पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम पलमा में बकरी की खाल को लेकर हुए विवाद के बाद पति ने पत्नी के साथ मारपीट की और डंडे से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक 6 अक्टूबर को ग्राम पलमा निवासी रजनी पैकरा ने चौकी चेन्द्रा में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि उसका भतीजा रिकू पैकरा उर्फ बउथा अपनी पत्नी रामकुमारी के साथ घर आया था। दोपहर में रिकू ने पत्नी से बकरी की खाल के संबंध में पूछा। जानकारी नहीं देने पर उसने मारपीट के लिए



डंडा उठा लिया। इसी दौरान डंडा छीनकर रामकुमारी खेत की ओर चली गई। शाम को वापस लौटने पर घर में रामकुमारी मृत हालत में मिली। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 219/26 के तहत धारा 103(1) बीएफएस में मामला दर्ज किया।

पूछताछ में हत्या स्वीकार करने का दावा- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए। जांच के दौरान पुलिस ने दबिश देकर रिकू पैकरा उर्फ बउथा (32) निवासी पलमा को पकड़ा। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी

श्री शांति नवदुर्गात्सव परिवार बनसांकरा में इस नवरात्र चुनरी यात्रा, हवन-पूजन, भंडारा व विसर्जन शोभायात्रा होंगे प्रमुख आकर्षण

जनता के गोट/ओंकार साहू सिमगा। श्री शांति नवदुर्गात्सव परिवार बनसांकरा द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति नवरात्रि पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। आयोजन के तहत 10 अक्टूबर को मातारानी का आगमन होगा। 11 अक्टूबर को विधि-विधान से कलश स्थापना के साथ नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। आयोजन के क्रम में 15 अक्टूबर पंचमी के अवसर पर माता जी का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसके साथ ही बस स्टैंड से महामाया मंदिर तक भव्य चुनरी यात्रा आकर्षक झांकी के साथ निकाली जाएगी। 19 अक्टूबर अष्टमी के दिन हवन-पूजन के साथ श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।



नवरात्रि उत्सव का समापन 20 अक्टूबर को सुबह विसर्जन शोभायात्रा के साथ होगा। इस दौरान सांग-बाजा का विशेष प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से सभी धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर मां आदिशक्ति का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

छोटे देवड़ा-सरगीपाल मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन घायल



बकावंड जनता के गोट। बकावंड क्षेत्र के छोटे देवड़ा और सरगीपाल के बीच राजा राइस मिल एवं नारायण राइस मिल के सामने बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके

पर कुछ देर तक अफा-तफरी का माहौल रहा। जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर सवार जालंधर अपनी छोटी बेटी के साथ जगदलपुर की ओर आ रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर दो व्यक्ति सवार थे। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों

सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में बाइक सवारों के पैरों में गंभीर चोट आने तथा पैर टूटने की जानकारी सामने आई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बकावंड क्षेत्र की 112 टीम और बकावंड थाना स्टाफ मौके पर पहुंचा। टीम ने घायलों की मदद करते हुए उन्हें उपचार के लिए

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बकावंड पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को बेहतर इलाज के लिए 108 एंबुलेंस के माध्यम से डिमरापाल अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस मामले की जांच कर दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटा रही है।

दिव्यांगों को प्रमाण-पत्र बनवाने में परेशानी, सिविल सर्जन तक पहुंचा मुद्दा

एक सप्ताह में व्यवस्था नहीं सुधरी तो कलेक्टर से शिकायत की चेतावनी: सुमन्त प्रजापति

जाहिद अंसारी सूरजपुर/जनता के गोट। जिला अस्पताल स्थित जिला मेडिकल बोर्ड में दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाने पहुंचने वाले लोगों को द्वितीय तल तक सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ रहा है। इससे चलने-फिरने में असमर्थ और गंभीर दिव्यांगजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ विकलांग एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुमन्त प्रजापति ने अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद सिविल सर्जन डॉ. संजय मरकाम से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रमाण-पत्र बनवाने की प्रक्रिया में दिव्यांगजनों को फर्म लेने, जमा करने सहित कई बार



ऊपर-नीचे जाना पड़ता है। ओड़गी, रामानुजनगर और भैयाथान क्षेत्र के दिव्यांगजनों से शिकायत मिलने के बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी। प्रजापति ने बताया कि सिविल सर्जन ने एक सप्ताह के भीतर व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो दिव्यांगजनों के साथ कलेक्टर से मिलकर शिकायत की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए सरकारी सेवाओं तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। सर्वजनिक भवनों में बाधाहिन पहुंच के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप भूतल पर व्यवस्था, रैंप या लिफ्ट उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

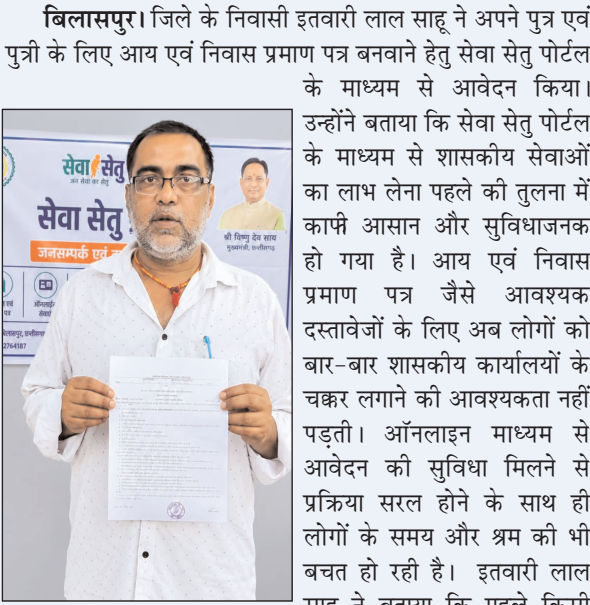
संक्षिप्त समाचार

अम्बिकापुर-हजरत निज़ामुद्दीन साप्ताहिक एक्सप्रेस का द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में परिचालन प्रारम्भ



बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा लगातार यात्री सुविधाओं का क्रमिक विकास एवं उपलब्ध सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है । इसी क्रम में रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 22407/22408 अम्बिकापुरडूहजरत निजामुद्दीनडूअम्बिकापुर साप्ताहिक एक्सप्रेस की सेवा आवृत्ति में वृद्धि कर द्वि-साप्ताहिक किया गया है । आवृत्ति वृद्धि के बाद यह ट्रेन निजामुद्दीन से 04 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार तथा अम्बिकापुर से आज 06 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को सप्ताह में दो दिन संचालित किया जा रहा है । इस रेल सेवा के अम्बिकापुर स्टेशन से द्वि-साप्ताहिक रूप में संचालन के प्रथम प्रस्थान का शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। इस ट्रेन को माननीय सांसद श्री चिंतामणि महाराज, माननीया महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर अम्बिकापुर स्टेशन में जनप्रतिनिधिगण, रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में माननीय सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अम्बिकापुर हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस की सेवा आवृत्ति में वृद्धि को क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत सुखद पल बताया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के फेरे बढ़ने से अम्बिकापुर एवं सरगुजा अंचल सहित इस रेलमार्ग से जुड़े विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को देश की राजधानी के लिए आवागमन की अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण रेल सुविधा के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए माननीय प्रधानमंत्री, माननीय रेल मंत्री एवं रेल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा सेतु से आसान हुई प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया, इतवारी लाल साहू ने जताया शासन का आभार



प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने और उसकी प्रक्रिया पूरी होने तक कई बार संबंधित कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे ग्रामीण एवं आम नागरिकों को काफी परेशानी होती थी। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन की सुविधा मिलने से यह प्रक्रिया अब अधिक सहज हो गई है। आवश्यक दस्तावेजों के साथ घर के पास स्थित सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। इससे लोगों को अपने दैनिक कार्यों को छोड़कर कार्यालयों में लंबा समय बिताने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सहज और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिए सेवा सेतु जैसी डिजिटल सुविधा शुरू करना सराहनीय पहल है। इससे विशेष रूप से उन लोगों को लाभ मिल रहा है, जिन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए दूर स्थित शासकीय कार्यालयों तक जाना पड़ता था। सेवा सेतु के माध्यम से समय पर प्रमाण पत्र मिलने से बच्चों की पढ़ाई, छात्रवृत्ति, विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने सहित अन्य आवश्यक कार्यों में भी सुविधा मिलती है। इतवारी लाल साहू ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने की सरल प्रक्रिया और नागरिकों को मिल रही सुविधा की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत मंडल के सभी प्रमुख स्थानों,स्टेशनों एवं परिसरों पर गहन सफाई अभियान के तहत व्यापक स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल दिनांक 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुरूप रेलवे परिसरों में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य मंडल के सभी स्टेशनों, ट्रेनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों, चकशीप, कोचिंग डिपो, गुड्स शेड एवं स्वास्थ्य इकाइयों सहित सभी रेलवे परिसरों में स्वच्छता के स्तर को और बेहतर बनाना तथा स्वच्छता के प्रति रेलकर्मियों एवं आमजनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में दिनांक 03 से 05 अक्टूबर 2026 तक प्रमुख स्थानों पर गहन सफ़ाई अभियान के तहत बिलासपुर मंडल के सभी प्रमुख एवं अधिक यात्री आवागमन वाले स्टेशनों, परिसरों तथा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर विशेष स्वच्छता

अभियान चलाया गया। प्रमुख स्टेशनों पर विशेष साफ-सफ़ाई – मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफ़ॉर्म पर डीप क्लीनिंग एवं प्रेशर वॉशिंग की गई। पुट ओवरब्रिज, कॉनकोर्स, सीढ़ियों, प्रवेश एवं निकास द्वार, सर्कुलैटिंग एरिया तथा पार्किंग क्षेत्रों की विशेष साफ-सफ़ाई सुनिश्चित की गई।

सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की गहन सफ़ाई – स्टेशनों पर स्थित सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों में टाइल्स, फ्लिटिंग्स, वॉश बेसिन एवं अन्य सतहों की गहन सफ़ाई एवं सैनिटाइजेशन किया गया। फ्लश सिस्टम की सफ़ाई एवं कार्यशीलता की जांच के साथ आवश्यकतानुसार डीस्केलिंग की गई तथा खराब अथवा क्षतिग्रस्त उपकरणों एवं स्पेयर पार्ट्स को बदलने की कार्रवाई सुनिश्चित की गई। यात्री प्रतीक्षालय, रिटायरिंग रूम एवं रेस्ट हाउस में विशेष स्वच्छता – प्रतीक्षालय, रिटायरिंग रूम एवं रेस्ट हाउस में फर्श की स्क्रबिंग एवं

नवभारत फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन में शामिल हुए राज्यपाल, विजेता और उपविजेता टीमों को किया सम्मानित

खेलों से मिलती है शारीरिक मजबूती,अनुशासन और करियर की नई राह

■ तमिलनाडु पुलिस ने अखिल भारतीय और सेंट जेवियर्स भरनी ने विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता का खिताब जीता

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका नवभारत परिवार द्वारा आयोजित 17वीं अखिल भारतीय फुटबॉल एवं जिला स्तरीय विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने फइनल मुकाबला देखा और विजेता तथा उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अखिल भारतीय प्रतियोगिता के फइनल में तमिलनाडु पुलिस ने दल्लीराजहरा माइंस को 1-0 से हराकर खिताब जीता। विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स स्कूल भरनी ने नवीन पिछड़ा वर्ग क्रीड़ा परिसर को पराजित कर विजेता बनने का गौरव



हासिल किया राज्यपाल श्री डेका ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शारीरिक मजबूती के साथ अनुशासन, टीमवर्क और खेल भावना विकसित करते हैं। नियमित रूप से मैदान में खेलने से शरीर स्वस्थ और सक्रिय रहता है। उन्होंने कहा कि खेल अब करियर का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर आगे बढ़ने के अवसर

बढ़े हैं। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ के खेलों के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। श्री डेका ने कहा कि फुटबॉल हमें सिखाता है कि लक्ष्य पाने के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी भूमिका निभानी होती है। एक-दूसरे का साथ देना, नियमों का सम्मान करना और अंतिम मिनट तक प्रयास करते रहना ऐसे गुण हैं,

जो जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी होते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल का आनंद लें, मेहनत करते रहें और हार से सीखकर फिर मैदान में उतरे। आपकी लगन ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन्हीं बच्चों में से खिलाड़ी आगे चलकर राज्य और देश का प्रतिनिधित्व कर सकते

हैं। जिला और राज्य स्तर के मुकाबलों से अनुभव मिलता है, जबकि अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में विभिन्न राज्यों की टीमों के साथ खेलने से खेल का स्तर बेहतर होता है और आगे की तैयारी की दिशा मिलती है। नवभारत परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री डेका ने कहा कि वर्ष 1934 से पत्रकारिता के क्षेत्र में पहचान बनाने वाले नवभारत ने सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ खेलों को भी प्रोत्साहित किया है। हॉकी और फुटबॉल की अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मंच मिल रहा है। ऐसे आयोजनों का सिलसिला जारी रहना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले। समापन समारोह में पुलिस महानिरीक्षक श्री रामगोपाल वरिष्ठ, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, गिरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी दर्शक उपस्थित थे।

सेवा सेतु शिविर से गांवों तक पहुंच रही शासन की योजनाएं :विधायक

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत बिल्हा विकासखंड के ग्राम सेंदरी में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी मांगों एवं समस्याओं को लेकर 111 आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से 84 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं और शासकीय सेवाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सहजता से पहुंचे। सेवा सेतु शिविर इसी उद्देश्य को



साकार करने की महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से शासन-प्रशासन स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहा है और उनके त्वरित समाधान का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्र न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान हो, यही ऐसे शिविरों की सार्थकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविर में प्राप्त

शेष आवेदनों का भी समय-सोमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं, पात्रता और मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों द्वारा उनके निराकरण की कार्रवाई की गई। मौके पर निराकृत नहीं हो सके आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

इंजेक्शन लगाने के बाद 28 वर्षीय युवक की मौत:झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में इलाज के दौरान 28 वर्षीय युवक की मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने गांव में इलाज करने वाले एक कथित झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने और उपचार में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि इंजेक्शन लगाए जाने के बाद युवक की हालत लगातार बिगड़ती गई और करीब एक महीने तक अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। मृतक के भाई ने पुलिस थाने में शिकायत देकर मामले की जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतक के भाई जगेश्वर प्रसाद सोनवानी द्वारा सिविल लाइन थाना प्रभारी को दिए गए शिकायत आवेदन के मुताबिक, ग्राम बैदरकोना निवासी हरप्रकाश सोनवानी (28) 28 अगस्त 2026 को वाहन चला रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक कुत्ता सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में हरप्रकाश वाहन से गिर गया, जिससे उसके दाहिने पैर के घुटने में चोट आई थी। परिजनों के अनुसार, चोट लगने के बाद हरप्रकाश इलाज के लिए मुरली मनोहर उर्फ महाराज के पास गया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान डॉक्टर ने उसकी बाईं कमर के पास इंजेक्शन लगाया और जल्द ठीक होने की बात कहकर उसे घर भेज दिया। शिकायत के मुताबिक, इंजेक्शन लगने के करीब दो दिन बाद संबंधित स्थान पर तेज दर्द और नीले रंग का निशान दिखाई देने लगा। इसके बाद युवक की तबीयत लगातार खराब होती गई।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

■ बहतराई की खेल भूमि ने देश को दिए कई प्रतिभावान खिलाड़ी : उपमुख्यमंत्री

■ पांच संभागों के 571 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

बिलासपुर। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ किया। उन्होंने पांच संभागों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट की सलामी ली और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता का



आगाज किया। बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों का उत्साह बर्धन करते हुए कहा कि बहतराई की खेल भूमि ने देश और प्रदेश को कई प्रतिभावान खिलाड़ी दिए हैं। इसी मैदान पर खेलकर संजू देवी ने एशियन गेम्स कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता, वहीं मधु सिदार और गीता यादव ने अंडर-

19 महिला हॉकी में देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'जो खेलेगा, वही खिलेगा' का उल्लेख करते हुए खिलाड़ियों से पूरी खेल भावना और आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि खेल के मैदान में कोई हारता नहीं है, खिलाड़ी या

तो जीतता है या सीखता है। खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर संसाधन और सुविधाएं जरूरी हैं। उन्होंने बहतराई खेल परिसर को मध्य भारत के उत्कृष्ट खेल संस्थानों में विकसित करने के लिए इसके उन्नयन पर जोर दिया। बेटियों की प्रस्तुति ने मोहाम मन, विधायक ने दी प्रोत्साहन राशि – पीएम श्री कन्या विद्यालय सरकंडा की छात्राओं ने भारत माता बंदना सहित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। तपती धूप में छात्राओं की शानदार प्रस्तुति की अतिथियों ने सराहना की। विधायक श्री शुक्ला ने उनके उत्साहवर्धन के लिए 11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। प्रतियोगिता 10 अक्टूबर तक चलेगी।

न्यू दिल्ली स्वीट्स में गंदगी का वीडियो वायरल: खाद्य विभाग ने लगाई गई बिक्री पर रोक

गई। पैंटी कार, बेस किचन एवं कैटरिंग इकाइयों में स्वच्छता- यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खानपान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाड़ियों के पैंटी कार, बेस किचन एवं स्टेशन में संचालित कैटरिंग इकाइयों में भी विशेष सफ़ाई अभियान चलाया गया। बेस किचन की सतहों की डीप क्लीनिंग एवं डीग्रीसिंग, एर्जॉस्ट हूड एवं डकट की सफ़ाई, कुकिंग उपकरण, बर्तन एवं स्टोरेज रैक की सफ़ाई की गई, साथ ही किचन ड्रेनेज लाइन ,पेयजल पॉइंट एवं जल भंडारण टैंकों का गहन निरीक्षण कर आवश्यक सफ़ाई सुनिश्चित की गई। गाड़ियों के पैंटी कार एवं खाद्य सामग्री के भंडारण क्षेत्रों में पेस्ट एवं रोडेंट कंट्रोल की कार्रवाई सुनिश्चित की गई। कार्यालयों एवं प्रशासनिक भवनों में भी गहन सफ़ाई- इस अभियान के अंतर्गत मंडल के सभी कार्यालयों के अंदर-बाहर, गलियारों एवं सीढ़ियों की गहन सफ़ाई के साथ रिकॉर्ड एवं फाइल रूम की व्यवस्थित साफ-सफ़ाई सुनिश्चित की गई।

कोरबा। कोरबा शहर के चर्चित खाद्य प्रतिष्ठान न्यू दिल्ली स्वीट्स में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा को लेकर सामने आए वायरल वीडियो के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रतिष्ठान की साफ-सफ़ाई और खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल उठाए गए थे। शिकायत मिलने के बाद विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान हाइजीन और स्वच्छता से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद विभाग ने संचालक को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य विभाग के अनुसार, प्रतिष्ठान में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित कमियों को

दूर कर निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किए जाने तक खाद्य पदार्थों की खरीद-बिक्री पर रोक रहेगी। इसके साथ ही प्रतिष्ठान का खाद्य लाइसेंस भी निलंबित रखा गया है। विभाग की ओर से साफ किया गया है कि निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं दुरुस्त किए जाने के बाद ही आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। वायरल वीडियो के आधार पर मिली शिकायत को खाद्य विभाग ने गंभीरता से लिया। टीम ने न्यू दिल्ली स्वीट्स पहुंचकर मौके की स्थिति का निरीक्षण किया और वीडियो में उठाए गए स्वच्छता संबंधी मुद्दों की जांच की। निरीक्षण के दौरान कमियां मिलने के बाद विभाग ने प्रतिष्ठान संचालक को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

